छत्तीसगढ़ में बढ़ा गन्ना उत्पादन

राज्य में चीनी मिलें लगने से किसान आगे आए

बिजनेस भास्कर • रायपुर

देश भर में धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ की खेती में गन्ना उत्पादन ने मिठास घोल दी है। राज्य के मध्य भाग में गन्ने की खेती के लिए किसानों का रुझान तेजी से बढ़ता जा रहा है। राज्य में फिलहाल बालोद, कवर्धा और सूरजपुर में सहकारी क्षेत्र की चीनी मिलें हैं। इन्हीं मिलों के सहारे राज्य में चीनी का उत्पादन बढ़ाकर एक लाख टन करने की कोशिश की जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ के कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ परंपरागत रूप से धान का उत्पादक राज्य रहा है। राज्य के किसान दोनों सीजन में सिर्फ धान की फसल को तरजीह देते हैं। लेकिन अब किसान तिलहन, दलहन और गन्ने जैसी फसलों की ओर भी मुड़ने लगे हैं। किसानों के रुझान की बात करें तो राज्य में शुगर मिलों की स्थापना के बाद से गन्ने की ओर रुझान तेजी से बढ़ा है। राज्य में इस साल 24 हजार हेक्टेयर से भी अधिक रकबे में गन्ने की फसलें ली गई थीं, तो कि पिछले साल के मुकाबले 7-8 फीसदी अधिक था। उन्होंने बताया कि फिलहाल राज्य में तीन चीनी मिलें कबीरधाम जिले में स्थित भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, बालोद जिले में स्थित मां दंतेश्वरी सहकारी शक्कर कारखाना और सूरजपुर जिले में स्थित मां महामाया सहकारी शक्कर कारखाना है। इन कारखानों की स्थापना के साथ ही राज्य में गन्ने के रकबे और पैदावार में बढ़ोत्तरी हुई है।

शुगर मिलों के निर्माण के बाद राज्य के बालोद और कबीरधाम जिलों में गन्ने का उत्पादन तेजी से बढ़ा है। बालोद से लगे हुए ग्राम करकाभाठा में 15 दिसम्बर 2009 को 48 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से सहकारिता क्षेत्र में मां दंतेश्वरी शक्कर कारखाने की शुरुआत हुई थी। मिल स्थापना के बाद जिले के लगभग ढाई हजार किसान गन्ना उत्पादन से जुड़ चुके हैं। इस साल जिले में तीन हजार एकड़ से ज्यादा रकबे में गन्ने की पैदावार हुई है। इस जिले में तांदुला, खरखरा, गोंदली और बोईरडीह जलाशयों के कारण उत्पादन वृद्धि में काफी मदद मिली है। 2012-13 में लगभग 80 हजार टन गन्ने की पेराई की गई और 68 हजार 360 क्विंटल शक्कर का उत्पादन लिया गया।

जिले के विकास खंड डौण्डीलोहारा के ग्राम बनगांव निवासी किसान चंदूलाल देशमुख ने बताया कि वे पहले केवल आधे एकड़ में गन्ने की खेती करते थे। अब दो एकड़ में गन्ना उगा रहे हैं। उनके खेतों में अब 400 क्विंटल से ज्यादा गन्ने की फसल होती है, जिसे शक्कर कारखाने में बेचकर अच्छी अतिरिक्त आमदनी हासिल कर लेते हैं।

Business Bhaskar

12/12/13